January 2021

Monthly Magazine
Year 7 Issue 1

Satyug

नारायण रेकी सतसंग परिवार

In Giving We Believe

सत्युग

हमारा उद्देश्य

''हर इंसान तन, मन, धन व संबंधों से स्वस्थ हो
हर घर में सुख, शांति समृद्धि हो व
हर व्यक्ति उन्नति, प्रगति व सफलता प्राप्त करे।''

वुधवार सतसंग

प्रत्येक वुधवार प्रात ११ वजे से ११.३० वजे तक

फेसवुक लाइव पर

सतसंग में भाग लेने के लिए नारायण रेकी सतसंग परिवार के फेसवुक पेज को ज्वाइन करें और सतसंग का आनंद लें।

नारायण गीत

नारायण-नारायण का उद्घोष जहाँ
राम राम मधुर धुन वहाँ
सबको खुशियाँ देता अपरम्पार,
जीवन में लाता सबके जो बहार
खोले, उन्नति, प्रगति, सफलता के द्वार,
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
हमारा एन.आर.एस.पी., प्यारा एन.आर.एस.पी.
प्यार, आदर, विश्वास बढ़ाता
रिश्तों को मजबूत बनाता, मजबूत बनाता
परोपकार का भाव जगाता
सच्चाई, नम्रता सेवा में विश्वास बढ़ाता
सत को करता अंगीकार
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुस्कान के राज बताता,
तन, मन, धन से देना सिखलाता
हमको जीना सिखलाता
घर-घर प्रेम के दीप जलाता
मन क्रम से जो हम देते वही लौटकर आता, वही लौटकर आता
बनाता सतयुग सा संसार
वो है, वो है हमारा नारायण रेकी सतसंग परिवार
एन.आर.एस.पी.,एन.आर.एस.पी.

।। 卐 ।।

पावन वाणी

प्रिय नारायण प्रेमियों,

।।नारायण नारायण।।

नव वर्ष की असीम शुभकामनाएं। नव वर्ष नई आशाओं और उम्मीदों के साथ सबके जीवन में उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और सुरक्षित जीवन लेकर आए यह ही चाहना यह ही कामना।

वर्तमान की परिस्थितियों ने पस्पर सहयोग, सेवा और भाईचारे जैसे जीवन मूल्यों की परीक्षा ली जिसमें मानव जाति सर्वोत्तम अंको से उत्तीर्ण हुई है। यह ही तो वह नैतिक मूल्य हैं जिन्होंने इस धरा को थामे रखा है सँवारे रखा है। सरकारी डाक्टर्स ही नहीं प्राइवेट क्लीनिक चलाने डाक्टर्स भी वायरस प्रभावित अस्पतालों में सेवा करते हुए दिखे। न जाने कितने स्वयं सेवकों ने अपनी जान की परवाह किए बिना सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। जगह - जगह भोजन की व्यवस्था, निःशुल्क एम्बुलेंस और प्रवासियों को उनके घर भेजने की व्यवस्था में लोग आगे आए है। फल, दवाई और बिन मूल्य अनेकों काढो का वितरण जीवन मूल्यों की अद्भुत झांकी दिखा गए हैं। यह सब संभव हो सका, सकारात्मक विचार, वाणी और व्यवहार से। सकारात्मकता के मन्त्र ने घबराए, हैरान परेशान लोगों को हौंसला, दिया और यह अहसास कराया कि सेवा, सहभागिता, भाईचारा, ईमानदारी, दया, ममता ही वह गुण है जिसने इस धरा को इतनी खूबसूरती से सजा रखा है।

विचार, वाणी से सकारात्मक रहकर अपना सर्वोत्तमम देने के भाव में रहने की भावना सर्वोत्तम जीवन मूल्य है यदि इसे एक बार जीवन में उतार लिया तो जीवन निश्चित ही जैकपॉट और खुशियों से भर जाएगा।

शेष कुशल

R. Modi

-: संपादिका :-

संध्या गुप्ता

09820122502

-: प्रधान कार्यालय :-

राजस्थानी मं डल कार्या लय

बेसमेंट रजनीगं धा बिल्डिं ग, कृ ष्ण वाटिका मार्ग ,

गोकुल धाम, गोरेगां व (ई), मुं बई - ४०० ०६३.

-: क्षेत्रीय कार्यालय :-

अहमदाबाद	जैविनी शाह	:	9712945552
आगरा	अंजनामित्तल	:	9368028590
अकोला	रिया / शोभा अग्रवाल	:	9075322783/ 9423102461
अमरावती	तरुलता अग्रवाल	:	9422855590
बैंगलोर	शुभांगी अग्रवाल	:	9341402211
बैंगलोर	कनिष्का पोद्दार	:	7045589451
बड़ोदा	दीपा अग्रवाल	:	9327784837
भंडारा	गीता शारडा	:	9371323367
भीलवाड़ा	रेखा चौधरी	:	8947036241
बस्ती	पूनम गाड़िया	:	9839582411
भोपाल	रेनूगट्टानी	:	9826377979
बीना (मध्यप्रदेश)	रश्मि हुरकट	:	9425425421
बनारस	अनीता भालोटिया	:	9918388543
दिल्ली (पश्चिम)	रेनू विज	:	9899277422
दिल्ली (पूर्व)	मीनू कौशल	:	9717650598
दिल्ली (प्रीतमपुरा	मेघा गुप्ता	:	9968696600
धुले	कल्पना चौरोडिया	:	9421822478
डिब्रूगढ	निर्मलाकेडिया	:	8454875517
धनबाद	विनीता दुधानी	:	9431160611
देवरिया	ज्योति छापरिया	:	7607004420
गुवाहाटी	सरला लाहौटी	:	9435042637
गुडगाँव	शीतल शर्मा	:	9910997047
गोंदिया	पूजा अग्रवाल	:	9326811588
गाजियाबाद	करुणा अग्रवाल	:	9899026607
गोरखपुर	सविता नांगलिया	:	9807099210
हैदराबाद	स्नेहलता केडिया	:	9247819681
हरियाणा	चन्द्रकला अग्रवाल	:	9992724450
हींगन घाट	शीतल टिबरेवाल	:	9423431068
इंदौर	धनश्री शिरालकर	:	9324799502
इचलकरंजी	जयप्रकाश गोयनका	:	9422043578
जयपुर	सुनीता शर्मा	:	9828405616
जयपुर	प्रीती शर्मा	:	7877339275
जालना	रजनी अग्रवाल	:	8888882666
झुंझुनू	पुष्पा टिबरेवाल	:	9694966254
जलगाँव	कला अग्रवाल	:	9325038277
कानपुर	नीलम अग्रवाल	:	9956359597
खामगांव	प्रदीप गरोदिया	:	8149738686
कोल्हापुर	जयप्रकाश गोयनका	:	9422043578
कोलकत्ता	सी .एसंगीता चांडक	:	9330701290
कोलकत्ता	श्वेता केडिया	:	9831543533
मालेगांव	आरती चौधरी/रेखा गरोडिया		9673519641/ 9595659042
मोरबी (गुजरात)	कल्पना जोशी	:	8469927279
नागपुर	सुधा अग्रवाल	:	9373101818
नांदेड	चंदा काबरा	:	9422415436
नासिक	सुनीता अग्रवाल	:	9892344435
नवलगढ़	ममता सिंगरोडिया	:	9460844144
पिछौरा	स्मिता मुकेश भरतिया	:	9420068183
परतवाडा	राखी अग्रवाल	:	9763263911
पूना	आभा चौधरी	:	9373161261
पटना	अरबिंद कुमार	:	9422126725
पुरुलिया	मृदु राठी	:	9434012619
रायपुर	अदिति अग्रवाल	:	7898588999
रांची	आनंद चौधरी	:	9431115477
रामगढ़	पूर्वी अग्रवाल	:	9661515156
राउरकेला	उमा देवी अग्रवाल	:	9776890000
शोलापुर	सुवर्णा बल्दावा	:	9561414443
सूरत	रंजना गाडिया	:	9328199171
सीकर	सुषमा अक्षवाल	:	9320066700
सिलीगुड़ी	आकांक्षा मुंधडा	:	9564025556
विशाखापत्तनम	मंजू गुप्ता	:	9848936660
उदयपुर	गुणवंती गोयल	:	9223563020
विजयवाड़ा	किरण झंवर	:	9703933740
वर्धा	अन्नपूर्णा	:	9975388399
यवतमाल	वंदना सूचक	:	9325218899

संपादकीय

। । 卐 । ।

प्रिय पाठकों,

। । नारायण नारायण । ।

पिछले दिनों किसी काम के सिलसिले में घर से बाहर जाना हुआ। हमेशा की तरह गाड़ी में बिस्किट, फ्रूट्स और पानी की बोतलों के साथ कुछ मास्क भी डाल लिए।

अभी घर से निकलकर में एक चौराहे पर पहुँची ही थी कि रेड सिग्नल देख बेटे ने गाड़ी रोक दी । तभी एक लगभग १० वर्ष का बच्चा गाड़ी के पास डस्टबिन बैग बेचता हुआ और बंद खिड़की के बाहर से वह बच्चा इशारे से मुझे डस्टबिन बैग खरीदने की मनुहार करने लगा । मैंने पिछले ही दिनों बहुत से डस्टबिन बैग मंगवाए थे। पर बच्चे की भोली सूरत देख मैंने काँच को नीचे कर उसे बिस्किट फ्रूट्स और पानी की बोतल के साथ ५० रूपये का नोट देते हुए उसे 'हैप्पी क्रिसमस' कहा। बच्चे ने खुश होते हुए मुझे भी मेरी क्रिसमस कहा और नोट लौटाते हुए कहा, ' आंटी, थैंक्यू फॉर द गिफ्ट पर मैं यह पैसे नहीं ले सकता क्योंकि मेरी माँ कहती है की अपनी मेहनत के पैसे लो। मैं म्युनिसिपल स्कूल में **५वीं** में पढ़ता हूँ और ऐसी छोटी- छोटी चीजें बेचकर अपनी पढाई का खर्चा स्वयं उठता हूँ' । उस नन्हे से बच्चे के मुख से निकले इतने गंभीर मूल्यों की बात सुन में ५० की जगह १०० रूपये के डस्टबिन बैग खरीद बैठी । कितने ही दिनों तक उस बच्चे की खुद्दारी, ईमानदारी, परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को पूर्ति और घर के खर्चों में उसकी सहभागिता याद करती रही। न जाने कितनी आशीषें निकली होंगी दिल से ।

उस भोले चेहरे को हजारों की भी भीड़ में पहचान सकती हूँ मैं। यह बच्चे के जीवन मूल्य ही थे जिसके कारण आज भी वह मुझे याद है ।

ठीक समझ रहे हैं पाठकों आप । सतयुग का यह अंक जीवन मूल्यों की गाथा है । सार्वभौमिक जीवन मूल्यों पर सार्थक जीवन की राह पर चलते रहेंगे हम और आप । नव वर्ष पर इन हार्दिक शुभकामनाओं सहित

आपकी अपनी

संध्या गुप्ता

अंतरर्राष्ट्रीय कार्यालय :

नेपाल	रिचा केडिया	977985-1132261
आस्ट्रेलिया	रंजना मोदी	61470045681
बैंकाक	गायत्री अग्रवाल	66897604198
कनाडा	पूजा आनंद	14168547020
दुबई	विमला पोद्दार	971528371106
शारजहा	शिल्पा मांजरे	971501752655
जकार्ता	अपेक्षा जोगनी	9324889800
लन्दन	सी.ए. अक्षता अग्रवाल	447828015548
सिंगापुर	पूजा गुप्ता	6591454445
डबलिनओहियो अमेरिका	स्नेह नारायण अग्रवाल	1-614-787-3341

आपके विचार सकारात्मक सोच पर आधारित आपके लेख, काव्य संग्रह आमंत्रित है - सतयुग को साकार करने के लिये /आपके विचार हमारे लिये मूल्यवान हैं । आप हमारी कोशिश को आगे बढ़ाने में हमारी मदद कर सकते है । अपने विचार उदगार, काव्य लेखन हमें पत्र द्वारा, ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं ।
हमारा ई-मेल है 2014satyug@gmail.com

we are on net

narayanreikisatsangparivar @narayanreiki

प्रकाशक : नारायण रेकी सतसंग परिवार
मुद्रक : श्रीरंग प्रिन्टर्स प्रा. लि. मुंबई.
Call : 022-67847777

||नारायण नारायण||

सतयुग का शंखनाद

नारायण रेकी सतसंग परिवार और राज दीदी द्वारा देखा गया सतयुग की स्थापना का सपना तभी पूरा हो सकता है जब हम जीवन मूल्यों को सही मायनों में जीवन में उतारें ।

इसके लिए हमें सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि जीवन मूल्यों से तात्पर्य क्या है ? हमारे ऐसे विचार, ऐसी भावनाएं जो हमारे और संपूर्ण ब्रहमाण्ड के विकास के लिए आवश्यक हैं जीवन मूल्य कहलाते हैं और जिन्हें सार्वभौमिक रूप से मान्यता प्राप्त है । अगर कहें कि नैतिक मूल्य मानव जीवन की आचार संहिता है तो ज्यादा अच्छा होगा । जीवन मूल्य समाज द्वारा निर्धारित अवधारणा है जिसका उचित अनुचित के पैमाने पर मूल्यांकन किया जा सकता है । विवेक और बुद्धि का समन्वय है जीवन मूल्य । जीवन मूल्य ही वह पैमाना है जिन पर हमारे जीवन का मूल्यांकन होता है कि हमारा जीवन कितना सही और कितना गलत है। हमारा आचार- विचार, हमारा रहन सहन, हमारी जीवन पद्दति उचित है कि नहीं है। हम जीवन में कितने सफल हैं, हम कितना सार्थक जीवन जी रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमारा जीवन किन मूल्यों पर आधारित है। सकारात्मक सोच, दया, ममता, करुणा, प्यार, आदर, सम्मान, विनम्रता, मौन, क्रोध, ईर्ष्या का त्याग, देने का भाव, भ्रातत्व का भाव, सेवा का भाव, ऐसे मानवीय गुण हैं जो जीवन मूल्यों की श्रेणी में आते हैं । यह सारे ऐसे सार्वभौमिक गुण हैं जो हर धर्म में, हर जाति, समुदाय, हर देश में सही माने जाते हैं । जीवन मूल्य ही व्यक्ति को मानव होने की श्रेणी प्रदान करते हैं । यह माना जाता है कि एक सहज, सरल, सुंदर, स्वस्थ, सफल, संपन्न और सार्थक जीवन के लिए इनका पालन करना आवश्यक है ।

भ्रातत्व का भाव, हर किसी में उस परम पिता को देखने का भाव एक ऐसा नैतिक मूल्य है जो लोगों को समझने और उनके साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने की प्रथम कड़ी है । जब हम प्रत्येक व्यक्ति में उस परम पिता का रूप देखने लगते हैं तो मैं और तुम का भाव निकल जाता है और हम का भाव विकसित होता है । हम का भाव आपके भीतर के अहम को समाप्त करता है और जब आपके भीतर इस अहम के भाव की समाप्ति हो जाती है तब दया, ममता, करुणा, बिना शर्ते प्यार, आदर, सम्मान देने का भाव विकसित होता है और हमारा जीवन ईमानदारी जैसे नैतिक मूल्यों पर चलता हुआ सार्थकता को प्राप्त होता है । जब हम बिना शर्ते प्यार देने और हर किसी को सम्मान देने के भाव से भर जाते हैं तो रिश्तों में एक सहजता भर जाती है ।

परिवार जीवन मूल्यों को सीखने की प्रथम पाठशाला है । जन्म लेते ही बच्चा अपने माता से प्राप्त स्नेह से प्यार और ममता का प्रथम मूल्य सीखता है । परिवार में दादा दादी, नाना नानी और घर के अन्य सदस्यों के प्रति आदर का भाव माता पिता द्वारा सिखाया जाता है । भाई- बहनों के साथ बच्चा खेल- खेल में ही केयर और शेयर करने के मूल्यों को सीखता है । परिजनों द्वारा किया जाने वाला लाढ दुलार, उसकी हर आवश्यकता का रखा जाने वाला ध्यान बच्चे को किसी की परवाह करना, सेवा परमोधर्म के भाव को विकसित करता है ।

बच्चा जब पाठशाला जाना शुरू करता है तब इन जीवन मूल्यों को वृहद रूप में समझता है । सामाजिक रूप से सब बच्चा अपने मित्रो, अध्यापकों और मित्रों से नैतिक मूल्यों को सीखता है । जीवन के हर मोड़ पर मूल्यों की एक नई परिभाषा से परिचित होते हैं हम । ईमानदारी, विश्वास, सहयोग, भाईचारे की भावना जैसे नैतिक मूल्य आपके भीतर आत्मविश्वास को जागते हैं । संतुष्टि का भाव जागते हैं, प्रसन्नता का भाव जागते हैं और

प्रसन्नता का यह भाव आपको सफलता और सार्थकता की ओर ले जाता है । राय ई डिज्री लिखते हैं, **' जब आपके मूल्य आपके लिए स्पष्ट हो जाते हैं तो निर्णय लेना सरल हो जाता है' ।**

जीवन में सफलता और प्रसिद्धि के सौपानों तक पहुँचने के लिए हमें नैतिक मूल्यों के पालन की सर्वाधिक आवश्यकता होती है । संसार के सभी महापुरुष, या सफलतम व्यक्ति अपने ऊँचे आदर्शों के कारण ही समाज में किद्वंती बने हैं। सदियों बीत जाने के बाद भी राम, कृष्ण, जीजस, मोहम्मद, गौतम बुद्ध, बड़े- बड़े ऋषि मुनि अपने नैतिक मूल्यों की रोशनी से आज भी मानव जीवन को रोशन कर रहे हैं । जीवन में कल्याण का एक ही मार्ग है और वह है मूल्य निर्धारित जीवन का चयन । जीवन मूल्य सहज ही स्थापित नहीं होते कई बार हमने इनके लिए संघर्ष करना पड़ता है पर अंततः यह संघर्ष सार्थक होता है और जीवन की एक सफल गाथा को रचता है । जीवन मूल्यों पर चलना सदैव लाभकारी होता है आप अपने आप को पहचानते हैं अपनी क़ाबलियत को समझ पाते हैं, उचित निर्णय ले पाते हैं, जीवन में स्थिरता को प्राप्त करते हैं ।

मित्रों, यदि हम जीवन मूल्यों को आत्मसात कर जीवन जीते हैं तो सहज ही सप्त सितारा जीवन के हकदार बन जाते हैं ।

अनमोल वचन

- **ज्ञान - विज्ञान की बातें निष्फल हैं यदि उनमें नैतिक मूल्य नहीं हैं ।**
- **नैतिक मूल्य हैं मनुष्य के आधार स्तम्भ सही पथ पर जीवन यात्रा करें प्रारंभ।**
- **जो तोको काँटा बुबै ताहि बोव तू फूल**
  तोहि फूल को फूल है वाको है तिरसूल।।
- **अति का भला न बोलना, अति की बहाली न चूप।**
  अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप।
- **क्या नैतिक क्या अनैतिक का जो करे विचार ,जागरूकता और सत्य की शक्ति रहे उसमें अपार।**
- **नैतिक मूल्यों का अनुसरण करें , उच्च विचारधारा कायम रखें ।**
- **स्वार्थ से होता है सिर्फ आपके हित ,नैतिक विचार करें सभी का हित।**
- **वे रहीम नर धन्य हैं पर उपकारी अंग।**
  बाँटन वारे को लगे, ज्यों मेहंदी को रंग ।

ज्ञान मँजूषा

इस माह का सतसंग 'आपसी घनिष्ठ संबंधों को मजबूती कैसे प्रदान करें' इस विषय पर आधारित रहा । घनिष्ठ आपसी संबंध ही सुख, शांति, समृद्धि का आधार हैं । जीवन को सप्त सितारा बनाने के लिए और आपसी संबंधों को मजबूती प्रदान करने के लिए हमें निम्न बातो का ख्याल रखना चाहिए :-

१) दीदी ने कहा (मतभेद को मनभेद न बनाइए)।

२) मतभेद, मनभेद में परिवर्तित न हों इसके लिए आपको थोड़ा समझदारी से काम लेना होगा। सबसे पहले, आप सामने वाले व्यक्ति के विचार को व्यक्तिगत रूप से न लें। वह केवल वस्तु के लिए उसकी राय है।

३) मनोविज्ञान कहता है- व्यक्ति का निर्माण परिस्थितियां करती हैं, उसके आसपास के वातावरण का असर उस पर पड़ता है और उसे जो अनुभव अपने जीवन में मिलते हैं वे सारे मिलने के बाद उसके सोचने का एक ढांचा तैयार हो जाता है। इसलिए हर व्यक्ति का अपना तरीका है सोचने का।

४) दूसरा, सामने वाली की राय का हमें आदर करना चाहिए। जब आप दूसरों की राय का आदर करते हैं, आपके संबंध मजबूत हो जाते हैं। आप अच्छी सेहत, धन, खुशहाली, शांति, समृद्धि और सांमजस्य को आकर्षित करते हैं।

५) रिश्तों में कडवाहट हमारे अपसेट मूड का नतीजा है। इस पर प्रकाश डालते हुए दीदी ने समझाया, तीन मुख्य कारण हैं जिनकी वजह से आपका मूड अपसेट हो जाता है १) अपेक्षाएँ २) चीजें और ३) प्लानिंग।

६) दीदी ने आगे बताया कि हम दूसरे व्यक्ति से बहुत उम्मीद करते हैं। .. 'वह मेरी बात मानेगा, मेरी बात से सहमत होगा और मेरे द्वारा किए गए छोटे से छोटे काम के लिए मेरी सराहना करेगा। 'अगर वह हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं करता है या कहता है तो हमारा मूड खराब हो जाता है।चीजें हर व्यक्ति के काम करने या चीजों को व्यवस्थित रखने का अपना तरीका होता है।कुछ लोग बहुत व्यवस्थित होते हैं जबकि अन्य थोड़े से बेपरवाह होते हैं।

७) दीदी ने कहा कि यह मूड अपसेट आपके शरीर को प्रभावित करता है, आपके चेहरे की चमक गायब हो जाती है, आपकी याददाश्त प्रभावित होती है, यदि मूड अपसेट बना रहता है तो आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हो जाते हैं, आप ठीक से खाना भी नहीं खा सकते हैं और अपनी सबसे पसंदीदा व्यंजनों का आनंद भी नहीं ले सकते हैं।

८) मूड अपसेट की यह नकारात्मक तरंगे आपके शरीर से बाहर निकलती हैं और आपके घर की सुख शांति समृद्धि को प्रभावित करती है। इसके कारण जो चीजें आपके भाग्य में थी, वे भी आपसे दूर चली जाती हैं। क्या सही है क्या गलत है आप इसका फैसला भी नहीं कर पाते।

९) यदि आप सोचने लगे कि आप दूसरे के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए सबसे अच्छा क्या कर सकते हैं और उसे अपना सर्वश्रेष्ठ दें, तो आपका मूड जीवनभर कभी भी अपसेट नहीं होगा।

१०) आध्यात्मिक गुरु राघव कहते हैं कि शेक्सपीयर लिखते हैं- दुनिया एक रंगमंच है, और हम सब यहां पर अपना अपना रोल निभाने के लिए आए है। हमें अपना अपना रोल निभाना है और चले जाना है।

११) हम अपना रोल सही तरीके से निभा सके उसके लिए दीदी ने यह आसान प्रक्रिया बताई है-

'रात को सोते समय अपना बायाँ हाथ हार्ट चक्र पर दायां हाथ उसके नीचे और नारायण से प्रार्थना करें कि 'हे नारायण जो रोल आपने मुझे निभाने के लिए भेजा है उसे मैं सही तरह से निभा सकूँ उसके लिए मुझे शक्ति दे, सामर्थ्य दे।' सोने से पहले इसे तीन बार कहें'। हफ्ते भर में आपको अपने भीतर परिवर्तन महसूस होगा।

१२) दो सत्ता हमारे जीवन में मुख्य भूमिका निभाती हैं- उस ईश्वर की सत्ता और हमारी अपनी सत्ता ।

१३) डोर उसके हाथ में है और अक्सर वो ये डोर आपके हाथ में दे देता है। या तो आपके मन का होगा या उसके मन का होगा। नारायण शास्त्र कहता है कि जब आपको लगे चीजें मेरे अनुकूल हो रही है तो समझ लीजिए सत्ता उसने आपके हाथ में दे दी है। जब आपके प्रतिकूल हो रहा है तो सत्ता उसके हाथ में है। तब तुरंत बोल दीजिए- 'मेरी तो सोचने समझने की शक्ति कम है, सत्ता उसके हाथ में है लेकिन नतीजा मेरे पक्ष में ही होगा।'

१४) बहुत सारे ग्रंथ है लेकिन सबसे प्रचलित दो ग्रंथ है। रामायण और भगवत् गीता।

रामायण में लिखा है- **'विधि के हर विधान में मंगल छिपा है।'**

ब्रह्मांड के हर विधान में सभी का कल्याण है।

गीता सार कहता है-

जो हुआ अच्छा हुआ,जो हो रहा है अच्छा हो रहा है, जो आगे होगा वह भी अच्छा ही होगा।

१५) जब चीजें प्रतिकूल होती हैं तो आप उस पर इतना ध्यान केंद्रित करते हैं कि वह विशाल हो जाती है और जो अच्छा होने वाला होता है वह गायब हो जाता है।

१६) जब आप अच्छे मूड में होते हैं तो अच्छी तरंगे आपको शरीर को स्वस्थ कर देती हैं और उनमें असाध्य रोग को भी ठीक करने की क्षमता होती है।ये तरंगे आपके शरीर से बाहर निकलती हैं और उन चीजों को आपकी और आकर्षित कर के लाती हैं जिनकी आप इच्छा करते हैं लेकिन वे आपके भाग्य में नहीं होती।

१७) सकारात्मक तरंगों में एक जगह के बुरे वास्तु को अच्छे में बदलने की शक्ति होती है। यदि आप अच्छे मूड में हैं और मेडिकल टेस्ट करवा रहे हैं तो निश्चित है कि सभी रिपोर्ट अच्छी होंगी।अच्छी रिपोर्ट आपको खुश कर देगी, आपके स्वास्थ्य और ऊर्जा के स्तर में सुधार होगा।

१८) दीदी ने आगे बताया कि आपकी भाग्य रेखा हर पल हर क्षण बदलती है, जब आप खुश मूड में अपना

हाथ ज्योतिषी को दिखाते हैं, तो वह सब कुछ अच्छा ही बताएगा है अन्यथा इसके विपरीत।

१९) दीदी ने कहा कि हम सभी को शुभकामनाओं का कलश दिया गया है, कलश के अंदर की इच्छाएं तरल रूप में हैं और जब भी हम नकारात्मक व्यवहार करते हैं, तो यह हमारे आशीर्वाद कलश में छेद कर देता है और आशीर्वाद कलश रिसना शुरू कर देता है तो हमारे कलश को सुरक्षित रखने के लिए हमें हमारे विचारों, शब्दों और कर्मों में सकारात्मक होना जरूरी है।

२०) दीदी ने आगे बताया कि इस नए वर्ष में सुख, शांति और समृद्धि प्राप्त करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए और यदि हम सत्संग के संदेशों का पालन करेंगे तो हम अपने जीवन में प्रचुरता को आकर्षित करेंगे।

२१) सबसे महत्वपूर्ण क्षण वर्तमान क्षण है और व्यक्ति को इसका उपयोग करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण काम वह है जो वर्तमान क्षण में किया जाता है और इसे ईमानदारी से पूरा करना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति वह है जो वर्तमान समय में आपके साथ है और व्यक्ति को उसे यथासंभव खुशी और आनंद देना चाहिए।

२२) आमतौर पर लोग सोचते हैं कि वे दूसरों की मदद तभी करेंगे जब उनके पास सब कुछ भरपूर मात्रा में होगा।दीदी ने समझाया कि जब आप दूसरों की मदद करने के बारे में सोचते हैं तो ब्रह्मांड इसे पूरा करने में आपकी मदद करता है। हम दूसरों की मदद करके जीवन में आगे बढ़ सकते हैं।

जितना हो सके दूसरों की मदद करें, दूसरों की मदद करने के लिए प्रचुरता की आवश्यकता नहीं है, सीमित संसाधनों के साथ भी दूसरों की मदद कर सकते हैं।

२३) हमें अपने भीतर प्रचुर शांति जमा करनी है।

इसके कई लाभ हैं, हम सभी प्रेम, आदर-सम्मान, विश्वास, देखभाल, शांति समृद्धि और सद्भाव से भरा प्रचुरता भरा जीवन जीना चाहते हैं। थ्रोट चक्र माँ सरस्वती का आसन है और माँ लक्ष्मी हमारी जिह्वा पर रहती है। जब कभी हम नकारात्मक शब्द बोलते हैं या चिल्लाते हैं तो माँ लक्ष्मी दूर चली जाती है और माँ सरस्वती उनका अनुसरण करती है। इसलिए हमें अपने शब्दों को ध्यान से चुनना होगा।

२४) यदि हम नकारात्मक शब्दों का उपयोग करते हैं तो यह हमारे जीवन में भय, चिंता, रोग को आकर्षित करेगा यदि हम सकारात्मक शब्दों का उपयोग करते हैं तो यह हमारे जीवन में प्यार, सम्मान, विश्वास, देखभाल, खुशी, शांति, समृद्धि सद्भाव को आकर्षित करेगा।

२५) आंतरिक शांति और आनंद प्राप्त करने के लिए अपने जीवन में कड़ी मेहनत और ईमानदारी को अपनाएं। अपने आप को एक माध्यम, के रूप में देखें, कर्ता, ईश्वर है। हर जीव में नारायण को देखें , ईश्वर के सामने आत्मसमर्पण करें और सांसारिक कर्तव्यों को करते हुए भी ईश्वर स्मरण करते रहें। ये सभी गुण आपको एक असाधारण व्यक्ति में बदल देंगे।

दोस्तों, उपर्युक्त बातों को जीवन में उतारें और संबंधों में मिठास भर लें ।

युवा मंच

पिछले दिनों में पी.जी. वुड हाउस की एक पुस्तक पढ़ रही थी। इसमें दो पात्र हैं मिस्टर जीव्स और मिस्टर वोस्टर हैं। मिस्टर वोस्टर, मिस्टर जीव्स(जो मिस्टर मैन फ्राइडे के रूप में चित्रित हैं) से एक अन्य व्यक्ति द्वारा पहने गए सूट से बहुत प्रभावित हो अपने लिए वैसा सूट बनवाने को कहते हैं। जीव्स, मिस्टर वोस्टर को कहते हैं कि वह सूट आपके व्यक्तित्व पर नहीं जँचेगा। पर मिस्टर वोस्टर नहीं मानते और वह सूट सिलवाते हैं और जब वह उसे पहनते हैं तो वह सच में उन पर नहीं जँचता। कहने का तात्पर्य यह है कि जो चीज किसी एक पर जंच रही है वह दूसरे पर भी उतनी ही जंचे यह आवश्यक नहीं है। इसी अध्याय में एक कलाकार अपने चाचा के अनुरोध पर एक बच्चे का प्रोट्रेट बनाता है। उनके चाचा को वह पोट्रेट पसंद नहीं आता और वह उसे खिड़की से बाहर फेंक देते हैं। वह कलाकार उस पोट्रेट को एक संपादक को बेच देता है और वह संपादक उस पोट्रेट को कार्टून केरेक्टर के रूप में प्रयोग करता है। इन दोनों घटनाओं को पढ़ते- पढ़ते मुझे जनवरी के सतयुग अंक का ख्याल आया जिसका विषय है जीवन मूल्य- एक बहुत ही गंभीर और पेचीदा बिषय। हमें आपको हमेशा यह ही सिखाया जाता है कि हमें जीवन मूल्यों- ईमानदारी, सच्चाई,धार्मिकता, विनम्रता जैसे गुणों को आत्मसात करना चाहिए। यह जीवन मूल्य आपके जीवन को सफल और सार्थक बनाते है। यह बिलकुल सही सलाह है। पर कई बार ऐसा होता है जब हमारे जीवन मूल्यों और हमारी अंतरात्मा के बीच यह द्वन्द छिड़ जाता है कि हम अगर अपने जीवन मूल्यों को अमुक परिस्थिति में अपनाते हैं तो सम्बंधित व्यक्ति के साथ न्याय नहीं हो पाता ऐसे में क्या करें? यहाँ पर मैं उद्धव गीता का उदाहरण देना चाहूँगी जहाँ भगवान् श्री कृष्ण कहते हैं, ' उद्धव मैं कई बार अपने जीवन मूल्यों से समझौता करता हूँ, ऐसे में मुझे अपने कर्मों के परिणाम भुगतने ही होंगे लेकिन मैं विवश हूँ क्योंकि मुझे धर्म की स्थापना करनी है, सत्य की स्थापना करनी है'। इस बात को सरल तरीके से करने के लिए मैं एक छोटी बच्ची का उदहारण देती हूँ। एक दिन हमारी बिल्डिंग में मे रहने वाली महिला मुझे मिली। वह बहुत खुश थी। उसने मेरे साथ यह बात शेयर की कि आजकल उसकी बच्ची दिन में ३ बार दूध पीने लगी है। एक छोटी बच्ची की माँ के लिए उसकी बच्ची द्वारा दिन में ३ बार दूध माँगना सबसे बड़ी खुशी है। मैने उसे बताया कि तुम्हारी बच्ची स्वयं दूध नहीं पीती बल्कि वह गली में घूमने वाली एक बेघर बिल्ली को दूध पिलाती है। जब उस माँ ने यह सुना तो वह प्रसन्नता से बोली, ' वाह! मेरी बच्ची सेवा का भाव सीख रही है। यहाँ उस बच्ची ने अपनी माँ से झूठ बोल जो की मूल्यों से गिरना है पर यश झूठ उसने भूखी बिल्ली की भूख मिटाने के लिए बोला जो मानवता की कसौटी पर खरा उतरता है। राज दीदी और नारायण शास्त्र कहता है :-

१) जीवन मूल्य वह मूल्य हैं जिनका पालन आपको खुशी देता है, आनंद देता है, उत्साह देता है।

२) आपके द्वारा पालन किए जाने वाले वह जीवन मूल्य सर्वोत्तम हैं जो किसी के चेहरे पर मुस्कान ला दें।

३) उन जीवन मूल्यों का पालन सार्थक है जिसमें समाज की भलाई और कल्याण छिपा हो। अंतः जब भी दुविधा की स्थिति में हों इस ट्रिपल फ़िल्टर फार्मूले को अपनाएँ और अपने जीवन को मूल्यों से भर कर उसे सार्थक और अनुकरणीय बना लें।

याद रखें हम सबको परमात्मा ने विशेष गुणों के साथ भेजा है। मूल्यों का निवाह करते समय हमें अंधानुकरण करने के वजाय हमें यह याद रखना है कि जो सूट किसी एक पर जंच रहा है वह आप पर भी जंचे यह आवश्यक नहीं है। तो आइए दोस्तों अपने व्यक्तिगत जीवन मूल्यों पर काम करते समय हम यह सुनिश्चित करें कि उनका पालन करते समय हम अच्छा महसूस करें, हमारे जीवन मूल्य किसी दूसरे के चेहरे पर प्रसन्नता का कारण बनें और उनमें समाज का कल्याण छिपा हो। जब आप इस ट्रिपल फ़िल्टर फार्मूले पर खरे उतरेंगे तभी आप संतुष्टि के अहसास से भर पाएंगे कि आपके नैतिक मूल्य सर्वोत्कृष्ट हैं।

बच्चों की फुलवारी

जीवन मूल्य अर्थात जो जीवन को बहुमूल्य व सार्थक बनाते हैं। जीवन मूल्य, क्रय विक्रय की वस्तु नहीं है और न ही प्रभुत्व से पाने वाली कोई सामग्री है, यह तो माता पिता द्वारा दिए गए संस्कार और विवेक की पूँजी है । घर परिवार, गुरुजनों, अच्छे मित्रों व स्वस्थ्य समाज की देन होते हैं जीवन मूल्य । अगर हम आदर्श जीवन मूल्यों का अनुसरण करते हैं, उन्हें अंगीकार करते हैं तो जीवन में सफलता निश्चित है और ऐसा व्यक्ति अपने जीवन को सफल के साथ साथ सार्थक बना लेता है । यहाँ पर मैं राज दीदी द्वारा बताए गए प्रसंग की चर्चा करना चाहूँगी ।

संक्षेप में कहानी ऐसी है कि, कल्याणी अपने मित्र के परिवार के साथ महाबलेश्वर की सैर पर जाने के लिए घर से निकलती है । निकलने में विलम्ब हो गया है इसलिए उनके मित्र रेड सिग्नल को अनदेखा कर जैसे ही आगे बढ़ते हैं तभी एक ट्रैफिक पुलिसवाला इस गलती के लिए उन्हें रोकता है और जुर्माना देने के लिए कहता है। पीछे सीट पर बैठा हमारे मित्र का बेटा अचानक से चिल्लाने लगता है और गिड़गिड़ाती आवाज़ में पुलिस वाले से बोलता है, 'अंकल, मेरे पेट में बहुत दर्द हो रहा है और हम डॉक्टर के पास जा रहे हैं सो पापा ने जल्दी में सिग्नल पर ध्यान नहीं दिया, प्लीज़ हमें माफ़ कर दीजिए, हमें जल्द से जल्द डॉक्टर के पास पहुँचना है ।' ऐसा सुनकर पुलिसवाले का दिल पिघल जाता है और उन्हें बिना जुर्माना दिए जाने देता है । अभी कुछ दूर ही आगे गए होंगे कि वही बच्चा ठहाका मारते हुए कहता है - 'देखा पापा मैंने उस पुलिसवाले को कैसे बेवकूफ़ बनाया ।' हमारे मित्र ने भी उसकी ऐक्टिंग की तारीफ़ की । महाबलेश्वर में जब हम लेक के किनारे पहुँचे तो एक पंद्रह वर्ष का लड़का हमारे पीछे पीछे चलता हुआ हमसे आग्रह करने लगा कि उसे वह गाइड ले लें क्यूँकि उसके पिता जो अधिकृत गाइड हैं बीमार हैं । उसने कहा, 'सर, मैं दसवी कक्षा में पढ़ता हूँ और अभी छुट्टियाँ चल रही हैं अतः सोचा इस प्रकार घर में सहयोग करूँ ।' उस बालक के आग्रह करने पर हमने उससे पूछा, 'कितने पैसे लगेंगे ? इस पर वह बोला - २५० रुपए निर्धारित रेट है सो वही आपसे भी लूँगा ।' इस प्रकार कल्याणी कहती है कि वो उनके साथ हो लिया । हर स्थान के बारे में विस्तार से बताना , मनोहारी स्थान पर ले जाकर फ़ोटो खींचने में मदद से लेकर महाबलेश्वर के बारे में हर छोटी बड़ी बात से अवगत कराया उस बालक ने । सामान्य ज्ञान का भंडार भरा पड़ा था उस प्रतिभावान बालक में । चलते चलते उसने वहाँ के अच्छे भोजनालय के बारे में बताया व रात्रि भोजन वहाँ पर करने की सलाह दो । बालक की निष्ठा और ज्ञान से प्रभावित हो जब उसे उसके मेहनताने के ढाई सौ रुपए के अलावा सौ रुपए देने लगे तो उसने बड़ी ही विनम्रता से अस्वीकार करते हुए कहा - मैं मेरे हक़ के ही पैसे लूँगा । बचपन से यही सीखा है कि मेहनत से की गयी कमाई पर ही हमारा हक़ होता है । यूँ कहकर वो बच्चा आगे बढ़ गया और कल्याणी सोचने लगी कि दोनों बच्चों के जीवन मूल्यों में कितना अंतर है । एक बच्चा गरीब होते हुए भी आदर्शों की जीती जागती मिसाल था और एक संपन्न परिवार और बड़े स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे ने जुर्माना बचाने के लिए जीवन मूल्यों को ताक पर रख दिया । साथ ही उसके पिता ने उसे सही दिशा देने के बजाए उसकी धूर्तता को सराहा । जीवन मूल्य किसी की जागीर नहीं बल्कि यह तो बालक में पड़े संस्कारों व लालन पालन की देन हैं ।

अपवाद छोड़ दें तो आपके जीवन मूल्य आपके अपने संस्कारों, आपको जीवन में मिले संस्कारों और पालन पोषण का प्रतिबिम्ब होते हैं। आपकी परवरिश किस माहौल में हुई है उसे उजागर करते हैं। अपने लिए ना सही अपने माता पिता की गरिमा का ध्यान कर, उनके द्वारा दिखाए गए सन्मार्ग पर चले। ऐसा करने से आपका जीवन तो सुंदर बनेगा ही साथ ही आप एक स्वस्थ्य समाज की नींव का पत्थर बनने का सौभाग्य भी प्राप्त कर सकेंगे । जागरूक रह कर जीवन मूल्यों को संजोए, उनका ईमानदारी से पालन करें और धरती पर ही स्वर्ग बनाएँ।

दीदी के छाँव तले

नारायण रेकी सतसंग परिवार के माध्यम से राज दीदी प्रार्थना के माध्यम से हम सभी को एक ऐसा जीवन मूल्य प्रदान किया है जिसके माध्यम से हम सभी को बिना शर्ते प्यार दे रहे हैं, और दूसरों के साथ- साथ अपने जीवन को भी सप्त सितारा बना रहे हैं । प्रस्तुत हैं ऐसे ही कुछ अनुभव :-

शिवांगी (बैंगलौर):- मैं NRSP बैंगलौर की सेण्टर हेड हूँ । हमने अधिक मॉस में दीदी द्वारा बताई गई साधना की जिसमें लगभग २५ व्यक्ति नियमित भाग लेते थे । इस साधना का बहुत ही अच्छा परिणाम रहा । दो भाइयों के बीच पिछले बारह सालों से संबंध नारायण हेल्प थे । एन दोनों भाइयों में से एक भाई की पत्नी निरंतर सामूहिक प्रार्थनाओं में भाग ले रही थी । कुछ दिनों के बाद ही चमत्कारिक परिणाम हुआ छोटा भाई अपने बड़े भाई के घर पहुँचा और उससे बातचीत की और टूटे हुए रिश्ते पुनः जुड़ गए।

कैलिफोर्निया :- मैं एक कॉलेज में प्रोफ़ेसर हूँ । मेरे एक लेक्चर को मेरे कालेज के डीन और मेरे कलीग्स के द्वारा मूल्यांकन किया जाना था जिस पर मेरा प्रमोशन आधारित था । सामूहिक प्रेयर में मैं निरंतर प्रार्थनाएं कर रही थी और प्रत्येक व्यक्ति मुझे ब्लेस्सिंग्स भेज रहा था । मेरा लेक्चर सबने पसंद किया और मुझे कालेज में प्रमोशन मिल गया। राज दीदी धन्यवाद । केलीफोर्निया प्रेयर टीम धन्यवाद ।

प्रेमलता अग्रवाल (कोलकत्ता):- पिछले दिनों कोलकत्ता में तूफ़ान आया । हमारे दामाद जी का गोदाम ऐसी जगह पर था जहाँ उसकी तूफ़ान से प्रभावित होने की पूरी पूरी संभावना थी । हम निरंतर नारायण कवच के साथ उनके माल की सुरक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे । तूफ़ान की समाप्ति के बाद जब दामादजी वहाँ गए तो पूरा गोदाम और माल सुरक्षित था । मेरी बेटी को उस दिन से नारायण रेकी पर अटूट विश्वास हो गया है और अब वह भी निरंतर नारायण प्रार्थना करती है । नारायण का धन्यवाद । राज दीदी का धन्यवाद । इतना ही नहीं मैं सहज रेकी में अपनी पेनक्रियाज के लिए प्रार्थना करती हूँ और डाक्टर ने ट्रायल के लिए मरी मेडिसन बंद कर दी हैं। मुझे पूरा विश्वास है मेरी दवाइयाँ जल्दी ही बंद हो जाएंगी ।

'रात को सोते समय अपना बायाँ हाथ हार्ट चक्र पर दायां हाथ उसके नीचे और नारायण से प्रार्थना करें कि 'हे नारायण जो रोल आपने मुझे निभाने के लिए भेजा है उसे मैं सही तरह से निभा सकूँ उसके लिए मुझे शक्ति दे, सामर्थ्य दे।' सोने से पहले इसे तीन बार कहें'। हफ्ते भर में आपको अपने भीतर परिवर्तन महसूस होगा।

न्यायधीश का फैसला

अमेरिका में एक पंद्रह साल का लड़का था, स्टोर से चोरी करता हुआ पकड़ा गया। पकड़े जाने पर गार्ड की गिरफ्त से भागने की कोशिश में स्टोर का एक शेल्फ भी टूट गया।

जज ने जुर्म सुना और लड़के से पूछा, 'तुमने क्या सचमुच कुछ चुराया था ब्रैड और पनीर का पैकेट'?

लड़के ने नीचे नज़रें कर के जवाब दिया, 'हाँ'।

जजः- 'क्यों' ?'

लड़काः-'मुझे ज़रूरत थी'।

जजः- 'खरीद लेते'।

लड़काः- 'पैसे नहीं थे'

जजः- 'घर वालों से ले लेते।' लड़काः- 'घर में सिर्फ मां है। बीमार और बेरोज़गार है, ब्रैड और पनीर भी उसी के लिए चुराई थी' ।

जजः- 'तुम कुछ काम नहीं करते' ?

लड़काः- 'करता था एक कार वाश में। मां की देखभाल के लिए एक दिन की छुट्टी की थी, तो मुझे निकाल दिया गया।'

जजः- 'तुम किसी से मदद मांग लेते'?

लड़काः- 'सुबह से घर से निकला था, तकरीबन पचास लोगों के पास गया, बिल्कुल आख़िर में ये क़दम उठाया'।

जिरह ख़त्म हुई, जज ने फैसला सुनाना शुरू किया, 'चोरी और ब्रैड की चोरी बहुत शर्मनाक जुर्म है और इस जुर्म के हम सब ज़िम्मेदार हैं। अदालत में मौजूद हर शख़्स मुझ सहित सब मुजरिम हैं, इसलिए यहाँ मौजूद हर शख़्स पर दस-दस डालर का जुर्माना लगाया जाता है। दस डालर दिए बग़ैर कोई भी यहां से बाहर नहीं निकल सकेगा।'

ये कह कर जज ने दस डालर अपनी जेब से बाहर निकाल कर रख दिए और फिर पेन उठाया लिखना शुरू किया, 'इसके अलावा मैं स्टोर पर एक हज़ार डालर का जुर्माना करता हूं कि उसने एक भूखे बच्चे से ग़ैर इंसानी सुलूक करते हुए पुलिस के हवाले किया। अगर चौबीस घंटे में जुर्माना जमा नहीं किया तो कोर्ट स्टोर सील करने का हुक्म दे देगी।'

जुर्माने की पूर्ण राशि इस लड़के को देकर कोर्ट उस लड़के से माफी तलब करती है।

फैसला सुनने के बाद कोर्ट में मौजूद लोगों के आंखों से आंसू तो बरस ही रहे थे, उस लड़के के भी हिचकियां बंध गईं। वह लड़का बार- बार जज को देख रहा था जो अपने आंसू छिपाते हुए बाहर निकल गये।

'क्या हमारा समाज, सिस्टम और अदालत इस तरह के निर्णय के लिए तैयार हैं?

चाणक्य ने कहा है कि यदि कोई भूखा व्यक्ति रोटी चोरी करता पकड़ा जाए तो उस देश के लोगों को शर्म आनी चाहिए।

जो जैसा है -सर्वोत्तम है

बात १९७९ की है । मैं फ्लोरिडा में वेंडी रेस्तरां को चला रहा था। मैं एक ऐसे व्यक्ति की तलाश में था जो सिर्फ लंच के दौरान तीन घंटे काम कर सके । मेरे पास कई आवेदन आए पर उसमें से ज्यादातर फुल टाइम काम के इच्छुक थे। बहुत कोशिशों के बाद मुझे निक्की मिला जो लंच के समय कार्य करने का इच्छुक था । मैंने उसे इंटरव्यू के लिए बुलाया। जब निक्की आया तो उसे देख मेरा कलेजा करुणा से भर गया। निक्की डाउन सिंड्रोम का शिकार था पर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता था । जीवन में यह पहला अवसर था जब मेरे सामने इस तरह का व्यक्ति काम की तलाश में आया था । इंटरव्यू के दौरान मैंने पाया कि वह काम के प्रति उत्साहित था, मैंने उसे काम पर रख लिया। रेस्तरां के अन्य कर्मचारियों को उसके साथ काम करने के लिए मैं बहुत समझा बुझा कर तैयार कर पाया । निक्की ने शीघ्र ही काम सीख लिया । वह मशीन की तरह काम करता और प्रसन्न रहता ।

उन दिनों कम्प्यूटर नहीं थे । हर आर्डर कैशियर को ही दिया जाता था, तक उनका सही आर्डर पहुँचाना एक मशक्कत का काम था ।

एक दिन की बात है एक आर्डर कि निक्की को कैशियर ने दिया था उसके बारे में किचन से शेफ ने पूछा, 'ग्राहक को सेंडविच के अंदर क्या चाहिए? निक्की ने कहा, 'नौ पिकल, नौ अनियन' । धीरे- धीरे मैंने यह नोटिस किया की निक्की के भीतर किसी भी बात को सुनकर उसे याद रखने की गजब क्षमता है । इतना नहीं वह तारीखों को भी अच्छी तरह से याद रख सकता था । वह सभी के साथ बहुत अच्छे से घुल मिल गया था । एक दिन जब उसकी माँ उसे घर ले जाने के लिए आई, मैं उसे लेने ही जा रहा था तो उसकी माँ ने मुझसे अनुरोध किया, 'कृपया उसे यहाँ उतनी देर तक रहने दें जितनी देर तक वह रहना चाहता है क्योंकि यह पहली बार हुआ है कि उसे इतने अच्छे तरीके से पहली बार स्वीकार किया गया है'।

उस दिन मैंने जीवन का एक अद्भुत मूल्य जीवन में उतारा, 'जो जैसा है उसे वैसा आदर के साथ अपनाना' दोस्तों यह जीवन का एक आवश्यक जीवन मूल्य है जिसे हमें जीवन में अपनाना है ।

हम ना बोलें
फिर भी वह सुन लेता है
इसीलिए उसका नाम
परमात्मा है
वह ना बोले
फिर भी हमें सुनाई दे
उसी का नाम
श्रद्धा है ।
राम राम जी

ईमानदारी

दो छोटे बच्चे एक लड़का और एक लड़की जो पडौसी थे उनके बीच में गहरी दोस्ती थी । एक दिन लड़के ने अपने कंचों का कलेक्शन अपनी मित्र को दिखाया। लड़की ने भी अपने दोस्त को टोफियों का कलेक्शन दिखया जो उसे उसके जन्मदिन पर मिला था। लड़के यह प्रस्ताव रखा कि वह आपस में कंचों और टाफियों की अदला बदली कर लें । लड़की खुशी- खुशी इस बात के लिए तैयार हो गई । उसने अपनी टोफियों का संग्रह लड़के को दे दिया । लड़के ने भी अपने कंचों का संग्रह लड़की को दे दिया पर बड़ी ही होशियारी से जो सबसे अच्छा कंचा था उसे उसने छिपाकर अपने पास रख लिया और बाकि सब कंचे लड़की को दे दिए। दोनों अपने घर चले गए । लड़की बहुत खुश थी और आराम से सो गई । पर लड़का बहुत ही परेशान था। वह बार - बार यह ही सोच रहा था कि कहीं मेरी ही तरह उस लड़की ने भी अच्छी टाफियों को अपने पास तो नहीं रख लिया ?

कहने का तात्पर्य यह है कि ईमानदारी एक ऐसा मूल्य है जो आपके जीवन को संतुष्टि प्रदान करता है। अंग्रेजी में एक

समय –एक जीवन मूल्य

बहुत साल पहले की बात है। सारी भावनाएं (फीलिंग) और संवेग (इमोशन) छुट्टी मनाने के लिए एक द्वीप पर जमा हुए। सब एक दूसरे के साथ अच्छा समय व्यतीत कर रहे थे तभी ताफां आने की और द्वीप छोड़ जाने की घोषणा हुई।

सभी भावनाएं और संवेग भयभीत हो गए । सब अपनी अपनी नाव की और भागे पर प्यार आराम से खड़ा रहा । जब अंत में जब प्यार के भागने की बारी आई तो सभी नावें भर चुकी थीं । तभी वहाँ से समृद्धि अपनी नाव में निकली । प्यार ने उससे अनुरोध किया कि वह उसे अपनी नाव में बैठा ले । पर समृद्धि ने कहा कि उसकी नाव में सोना और अन्य कीमती चीजें भरी हुई हैं उसकी नाव में प्यार के लिए बिलकुल जगह नहीं है ।

तभी सुन्दरता अपनी नाव से गुजरी । प्यार ने उससे भी कहा, 'मुझे अपनी नाव में बैठा लो' । सुन्दरता ने कहा नहीं तुम्हारे पैर मिटटी से सने हैं मैं अपनी नाव को गन्दा नहीं करना चाहती ।'

थोड़ी ही देर में वहाँ से दुःख गुजरा । प्यार ने उससे भी सहायता माँगी । दुःख ने कहा, 'मैं बहुत दुखी हूँ और अकेले ही रहना चाहता हूँ' । ऐसा कहकर वह भी वहाँ से चला गया । थोड़ी देर प्रसन्नता वहाँ से गुजरी। प्यार ने उससे भी मदद माँगी पर अपनी प्रसन्नता में उसे किसी और की कोई परवाह ही न थी।

तभी अचानक से आवाज आई, 'तुम मेरी नाव में आ जाओ' । प्यार अपने तारणहार को पहचान न सका पर वह उसकी नाव में सवार हो गया ।

किनारे पर पहुँचने के बाद प्यार ज्ञान से मिला और उसने पूछ, ' ज्ञान क्या तुम जानते हो मुझे अपनी नाव पर बैठाकर मेरी जान किसने बचाई? ज्ञान ने कहा, 'वह समय था ।' समय को ही प्यार की सही कद्र होती है । समय को ही पता है कि प्यार क्या कर सकता है, उसे पता है कि सिर्फ प्यार ही शांति और खुशहाली ला सकता है ।

इस कहानी का तात्पर्य यह है कि जब बात जीवन मूल्यों की हो तो समय का महत्त्व को सर्वोपरि रखना अति आवश्यक है क्योंकि जिसने समय का सदुपयोग कर लिया उसने जीवन में सब कुछ हासिल कर लिया।

Pavaan Vani

Dear Narayan Premiyon,

|| Narayan Narayan ||

A very happy New Year to each one of you! May this New year come with new hopes, new expectations and brings along with itgood health, prosperity and a secure life for all. This is my desire and my wish.

The present circumstances were a litmus test for the life values like cooperation, service and brotherhood in which mankind and humanity emerged a winner. It is these moral values which have held this Earth and added to its beauty. Not only doctors attached to Govt hospitals but even the private practitioners gave free service in COVID allocated hospitals. Innumerable volunteers have registered their participation putting their life on stake.People came forward in arranging for free distributionof fruits, medicines and decoctions (kadas, Ayurvedic medicine) and displayed an amazing tableaux of life values. All this was possible only because of positive thoughts, speech and behavior. The mantra of positivity gave encouragement to the panic-stricken, troubled people and made them realize that service, fellowship, brotherhood, honesty, kindness and affection are the qualities that have made thisearth a beautiful place.

Being positive in thoughts, words and deeds and giving one's best is the best life value and if it is ingrained by you then it is definite that your life will be filled with jackpots and happiness.

With best wishes.

R. Modi

R Modi

CO-EDITOR
Deepti Shukla 09869076902

EDITORIAL TEAM
Vidya Shastry 09821327562
Mona Rauka 09821502064

Main Office
Rajasthani Mandal Office, Basement Rajnigandha Building, Krishna Vatika Marg, Gokuldham, Goregaon (East), Mumbai - 400 063.

Editorial Office
Shreyas Bunglow No 70/74 Near Mangal Murti Hospital, Gorai link Road, Borivali (W) Mumbai -92.

Regional Office

Amravati - Tarulata Agarwal	:	9422855590
Ahmedaba - C. A. Jaiwini Shah	:	9712945552
Akola - Shobha Agarwal	:	9423102461
Agra - Anjana Mittal	:	9368028590
Baroda - Deepa Agarwal	:	9327784837
Bangalore - Shubhani Agarwal	:	9341402211
Bangalore - Kanishka Poddar	:	70455 89451
Bhilwada - Rekha Choudhary	:	8947036241
Basti - Poonam Gadia	:	9839582411
Bhandra - Geeta Sarda	:	9371323367
Banaras - Anita Bhalotia	:	9918388543
Delhi - Megha Gupta	:	9968696600
Delhi - Nisha Goyal	:	8851220632
Delhi - Minu Kaushal	:	9717650598
Dhulia - Kalpana Chourdia	:	9421822478
Dibrugadh - Nirmala Kedia	:	8454875517
Dhanbad - Vinita Dudhani	:	9431160611
Devria - Jyoti Chabria	:	7607004420
Gudgaon - Sheetal Sharma	:	9910997047
Gondia - Pooja Agarwal	:	9326811588
Gorakhpur - Savita Nalia	:	9807099210
Goa - Renu Chopra	:	9967790505
Gouhati - Sarla Lahoti	:	9435042637
Ghaziabad - Karuna Agarwal	:	9899026607
Hyderabad - Snehlata Kedia	:	9247819681
Indore - Dhanshree Shilakar	:	9324799502
Ichalkaranji - Jayprakash Goenka	:	9422043578
Jaipur - Sunita Sharma	:	9828405616
Jaipur - Priti Sharma	:	7792038373
Jalgaon - Kala Agarwal	:	9325038277
Kolkatta - Sweta Kedia	:	9831543533
Kolkatta - Sangita Chandak	:	9330701290
Khamgaon - Pradeep Garodia	:	8149738686
Kolhapur - Jayprakash Goenka	:	9422043578
Latur - Jyoti Butada	:	9657656991
Malegaon - Rekha Garaodia	:	9595659042
Malegaon - Aarti Choudhari	:	9673519641
Morbi - Kalpana Joshi	:	8469927279
Nagpur - Sudha Agarwal	:	9373101818
Navalgadh - Mamta Singodhia	:	9460844144
Nanded - Chanda Kabra	:	9422415436
Nashik - Sunita Agarwal	:	9892344435
Pune - Abha Choudhary	:	9373161261
Patna - Arvindkumar	:	9422126725
Pichhora - Smita Bhartia	:	9420068183
Raipur - Aditi Agarwal	:	7898588999
Ranchi - Anand Choudhary	:	9431115477
Ramgadh - Purvi Agrwal	:	9661515156
Surat - Ranjana Agrwal	:	9328199171
Sikar - Sarika Goyal	:	9462113527
Sikar - Sushma Agrwal	:	9320066700
Siligudi - Aakaksha Mundhda	:	9564025556
Sholapur - Suvarna Valdawa	:	9561414443
Udaipur - Gunvanti Goyal	:	9223563020
Vishakhapattanam - Manju Gupta	:	9848936660
Vijaywada - Kiran Zawar	:	9703933740
vatmal - Vandana Suchak	:	9325218899

International Office

Nepal - Richa Kedia	:	+977985-1132261
Australia - Ranjana Modi	:	+61470045681
Bangkok - Gayatri Agarwal	:	0066897604198
Canada - Pooja Anand	:	+14168547020
Dubai - Vimla Poddar	:	00971528371106
Sharjah - Shilpa Manjare	:	00971501752655
Jakarta - Apkesha Jogani	:	09324889800
London - C.A. Akshata Agarwal	:	00447828015548
Singapore - Pooja Agarwal	:	+659145 4445
America - Sneha Agarwal	:	+16147873341

Editorial

Dear Readers,

Recently I had to go out of the house for some reason. As usual along with biscuits, fruits and water I picked up a few masks too, to keep in the car.

We had just reached the intersection close to my house, on viewing the red signal my brother in law stopped the car. A ten-year-old, who was selling dustbin bags,approached the closed window of our car and gestured me to buy the dustbin bag. I already had a stockof dustbin bags but on watching the innocent face of the child, I turned down the glass and gave him a 50 rupee note with biscuit, fruits and a bottle of water and wished him Happy Christmas. Happily the child also wished me back -" Merry Christmas" but returned the Rs fifty note I had given him saying, " Thank you maam for the gift but I cannot accept this money because my mother always says that you should accept money only for your hard work. I study in the Municipal School in the 5th std and sell odd things to bear the expenses of my studies. Hearing this solemn topic on life values coming from a small child,influenced me to buy dustbin bags worth Rs 100/- instead of Rs 50/-. For days, I kept on remembering, the self-confidence, honesty and responsibility that child exhibited towards the family and his contribution in household expenses. Countless blessings must have poured from my heart.

I can recognize that innocent face in the crowd of thousands. It is because of strong life values that I still remember him till date.

You have understood right readers! This issue of Satyug is dedicated to life values. We will continue to tread on the path of meaningful life based on universal life values. With hearty greetings on the new Year,

Yours own,
Sandhya Gupta

To get
important message and information from NRSP Please Register yourself on 08369501979 Please Save this no. in your contact list so that you can get all official broadcast from NRSP

we are on net

narayanreikisatsangparivar@narayanreiki

Publisher **Narayan Reiki Satsang Parivar,**
Printer - **Shrirang Printers Pvt. Ltd.,** Mumbai.
Call : 022-67847777

॥ 卐 ॥

Call of Satyug

The vision of the establishment of Satyug as envisioned by Rajdidi and Narayan Reiki Satsang Parivar can only be manifested if the Life values are imbibed in the true sense.

For this we first need to know what is meant by Life values ? Those thoughts and emotions which areuniversally recognized, and which are essential for the development of our own self and the entire universe are called Life values.

It would be better if we say that Life values are the code of conduct of human life. Life values areaccreditation set by the society based on the judgement of right and wrong. Life Values are based on the integration of our conscience and intelligence. Life values are the scale on which our life is evaluated as to how correct and how wrong life is. Whether, our ethics, our lifestyle, our day to day life activitiesareright or wrong. How successful are we in life, how meaningful life are we leading depends on what values our life is based on? Positive thinking, kindness, affection, compassion, love, respect, humility, silence, calmness, giving up jealousy,the attitudeof giving, feeling of brotherhood, sense of service are the human qualities that fall in the category of life values. All these universal qualities have been considered right in every religion, every caste, community, in every country. Life values justify a person the credential of being a human. It is believed that to lead a simple, smooth, beautiful, healthy, successful, enriched and meaningful life, one should abide with the life values.

The feeling of brotherhood, the ability of seeing Narayan in everyone, is a moral value that is the first step in understanding people and establishing a close relationship with them. When we see Narayan (that Supreme Father) in every person, then the feeling of mine and yours disappears and the feeling of Oneness develops. The sense of oneness dissipates our inner ego and when the sense ego within you vanishes, then a sense of compassion, affection, empathy, unconditional love, respect, develops in you and we lead our life on the basis of the moral values like honesty and achieve a Meaningful life. When we are filled with the attitude of giving unconditional love and respect to everyone, then there is a spontaneity in our relationship.

Our Family is the first school which introduces us to life values. At childbirth the value of love and affection is first introduced to the child by the mother's display of unconditional love and affection. Respect for parents, grandparents and other members of the family are taught by the parents. With siblings, the child learns the values of caring and sharing. The love and care expressed by the near dear ones, the attention and care given to every requirement of the child makes him understand and develop the attribute of care and selfless service. This instills in him that the spirit of selfless service is the ultimate religion.

When the child starts going to school, he understands the importance of life values in an elaborated way. Generally, every child learns moral values from friends, teachers and society. We are introduced to a new definition of values at every turn of our life. Moral values like honesty, trust, cooperation, brotherhood instill confidence in you. A feeling of satisfaction awakens, a feeling of happiness arises, and this feeling of happiness leads you to success and significance. Rai e Disney writes, 'When your values become clear to you, it becomes easier for you to make decisions.

In order to reach the top of the ladder of success and fame in life, we need to adhere to moral values at the highest level. All the great men of the world, or the most successful people, have etched their name in society only because of their high ideals. Even after centuries, Rama, Krishna, Jesus, Mohammad, Gautama Buddha, great sages and Munis are influencing human life with the light of their moral values. There is only one path to well-being in life and that is the adherence to a value-determined life. Life values are not easily established. Many a times westruggle for them, but then ultimately this struggle is meaningful and creates a successful story of life. Walking on the path of Life values is always beneficial to you because you identify yourself, understand your ability, take appropriate decisions and achieve stability in life.

Friends, if we live life by imbibing life values, then we easily become entitled to a seven-star life.

Inspirational Quotes for 2021
Happy New year

- The talks of science and knowledge are futile if they are devoid of morality.
- Moral values are pillars of human , start the journey of life on the right path.
- If someone sows thorn for you, you plant flowers for that person, and in return you will get flowers.
- Speaking a lot is not good, neither is excess of silence. Neither is heavy downpour good, nor is excessive sunshine.
- What is moral and what is immoral- whoever gives thought to this is blessed with power of awareness and truth.
- Follow the life values and maintain wise thinking.
- Selfishness benefits only self, while moral thoughts benefit all.
- Rahim says that those people are praiseworthy who are benevolent, just like as the Hina leaves it's mark on the bearer, similarly the giver receives benevolence.

Wisdom Box
(Glimpses of Satsang)

This month's Satsang is based on the theme - "How to strengthen mutual relationship''. Harmonious relationships are the base for happiness, peace, prosperity. To lead a seven star life and to strengthen mutual relationships, we should take care of the following things: -

1) Didi said -**Do not let differences in opinion create differences in hearts.**
2) You will have to work a little wisely to check that differences in opinion donot create differences in relationships. First of all, do not take the views of the person personally. That is his opinion in general for any particular thing.
3) Psychology says –A person's is moulded by situations, and the environment around him. All the experiences he has gained in his life,creates a pattern for his thought process. So every person has his own way of thinking.
4) We should respect the opinion of the other person. When you respect the opinions of others, your relationships become stronger. You attract good health, wealth, prosperity, peace, prosperity and harmony.
5) Disharmony in relationships is the result of our upset mood. Didi explained, there are three main reasons that cause your mood to be upset-
    1) Expectations
    2) Things
    3) Planning.
6) Didi further explained that we expect a lot from the other person. "He will listen to me, agree with me and appreciate me for everysmall work I do." If that person does not comply with our expectations or speaks in sync, our mood gets upset. Every person has his own way of doing things or keeping things. Some people are very organized while others are a little careless.
7) Didi said that the mood swings, affect your body, the glow of your face disappears, your memory is affected, if the tension continues then you get dark circles under your eyes, you don't eat and enjoy your favorite dishes.
8) These negative vibrations arising due to upset mood, moves out of your body and affect the peace prosperity and happiness of your house. Because of this, the things that you were destined to have also move away from you. You cannot even decide what is right and what is wrong.

9) If you start thinking about what best you can do for others or how you can bring a smile on the face of another person and give your best, your mood will never get upset throughout life.

10) Spiritual Guru Raghav says that Shakespeare writes - **The world is a theatre and we all have come here to play our roles. We have to play our role and leave.**

11) To enable us to play our role properly, Didi shared this easy process -

'While sleeping at night, put your left hand on the heart chakra, right hand under it and pray to Narayan that- "Hey Narayan, please give me strength and power to play the role you have assigned to me". Say it three times before sleeping. You will feel the change within you in a week.

12) Two entities play the main role in our life - The will of God and our own will.

13) The string is in his hand and often he gives this string in our hands. The things will go as per your wish or as his wish. Narayana Shastra says that when you feel that things are getting favorable towards you, then understand that he has given the power in your hand. When things are unfavorable for you,it means the power is in his hands. Then immediately say- "I donot have much power to think and understand, power is in his hands, but the result will be in my favor only."

14) There are many religious texts but the two most prevalent ones are Ramayana and Bhagavad Gita.

It is written in Ramayana - **"Vidhi ke har vidhan mein mangal chupa hai."**

Every law of universe is for welfare of everyone.

The Gita essence says-

Whatever happened was good, whatever is happening is good, whatever is about to happen, will also be good.

15) When things are unfavorable, you are so much focused on it that it becomes huge and good things disappear.

16) When you are in a good mood, good vibrations make you healthy and they have the ability tocure incurable diseases. These vibrations move out of your body and attract the things which you desire but they are not in your destiny.

17) Positive waves have the power to convert bad Vastu of a place into good. If you get a medical test done in good mood,then all the reports will be good. Good report will make you happy, your health and energy levels will improve.

18) Didi further explained that your destiny changes every moment. When you show your hand to the astrologer in a happy mood, he will tell you everything is good otherwise vice versa.

19) Didi said that all of ushave been gifted with a **Blessings pot**, the good wishes inside the pot are in liquid form and whenever we behave negatively, it causes holes in our blessing pot and the blessings start leaking. To keep our blessing pot safe, wehave to be positive in thoughts, words and deeds.

20) Didi further explained that in the new year our motive should be to achieve happiness, peace and prosperity and if we follow the messages of satsang we will attract abundance in our lives.

21) The most important moment is the present moment and one should utilize it. The most important work is that which is done in the present moment and should be completed honestly. The most important person is the one who is with you in the present moment and you should give him joy and happiness.

22) People usually think that they will help others only when they have everything in abundance. Didi explained that when you think of helping others, the universe will provide the means to fulfill it. We can move forward in life by helping others.

Help others as much as you can, as it is not necessary to be prosperous, even with limited resources you can help others.

23) We have to accumulate a lot of peace within ourselves.

It has many benefits; we all want to live a life full of love, respect, faith, care, peace, prosperity and harmony. Throat Chakra is the seat of Mother Saraswati and Mother Lakshmi lives on our tongue. Whenever we shout or speak negative words, Maa Lakshmi moves away and Maa Saraswati follows her. So we have to choose our words carefully.

24) If we use negative words then it will attract fear, anxiety, disease in our life. If we use positive words then it will attract love, respect, trust, care, happiness, peace, prosperity in our life.

25) To achieve inner peace and joy, adopt hard work and honesty in your life. See yourself as a medium, the doer is God. See Narayan in every living being, surrender to God and remember God even while performing worldly duties. All these qualities will turn you into an extraordinary person.

Youth Desk

Life values means those attributes which make life valuable and meaningful. **Values,** are not objects of purchase and sale, nor are they achieved by power, rather they **are the bounty of impressions and wisdom consciously passed on by parents.** Values are taught by family, teachers, good friends and healthy society. If we follow these attributes, imbibe them, then success in life is certain and such a person makes his life successful as well as meaningful. Here I would like to share a memoir narrated by Raj Didi.

In a nutshell, the story goes like this that Kalyani leaves the house with her friend's family to go on a trip to Mahabaleshwar. As they are late, so her friend ignores the red signal and as soon as he proceeds, a traffic cop stops them for the mistake and asks them to pay the fine. Our friend's son who was sitting on the back seat, suddenly started making agonizing sounds and told the policeman - Uncle, my stomach is hurting a lot and we are going to the doctor, so Papa hurriedly ignored the signal. Please, please forgive us, we must reach the doctor as soon as possible. On hearing this, the policeman's heart melts and allows them to leave without penalty. The car must have gone a little further when the same child cries out triumphantly- See, father, how I fooled that policeman. Our friend also praised his acting. When we reached the lakeshore in Mahabaleshwar, a fifteen-year-old boy followed us and urged us to take him as a guide because his father who is an authorized guide was ill. He said - Sir, I study in class X and now the holidays are going on, so thought of supporting the household. On the persistent requests of that boy, we asked him how much money would he take? On asking this, he replied - 250 Rupees is the fixed rate, so I too will take the same from you. Kalyani said that he joined them for the rest of the day. The child made us aware of every small and big thing about Mahabaleshwar right from giving details about all the places, helped in taking pictures at beautiful spots. The boy possessed a rich treasure of general knowledge. Before taking leave, he suggested a good restaurant for dinner. Impressed by the sincerity and knowledge of the child, we offered him hundred rupees more than the promised amount of two hundred and fifty, but he politely declined and said - I will take the money which is my right. It has been taught to us since childhood that we have right only on our hard-earned income. Saying this, that child moved forward and Kalyani started thinking about the difference between the life values of the two children. A child, despite being poor, was a living example of ideals, whereas a boy from a well-to-do family studying in a big-school- a scholar sets aside the life values to save a petty fine. And above all, his father praised his slyness instead of guiding him on the right path. **The values of life are not any one's hierarchy but are resultant of instilled virtues and right upbringing of a child**.

Barring an exception, your life values are a reflection of your own imprints, the lessons you have learnt in life and your upbringing. **They unravel the environment in which your upbringing has taken place.** If not for yourself, for sake of the dignity of your parents, follow the righteous path shown by them. By doing this, not only your life will become beautiful, but you will also get the privilege of becoming the foundation stone of a healthy society**. Stay alert and cherish the values in life, follow them honestly and create heaven on the earth.**

||नारायण नारायण||

Children's Desk

While I was reading a book of P G Woodhouse, wherein the famous character Mr. Jeeves, who is portrayed as the Man Friday of Mr. Wooster says to him, when he expresses a desire to stitch a suit similar to the one worn by an acquaintance, who looks very smart, Mr. Jeeves says to Mr. Wooster that it is a bad idea and it will not look good on him. Mr. Wooster disagrees and gets the clothes stitched. When the ready suit comes, Mr. Wooster tries it and he looks like a comedian it. **What looks good for one need not look good on others.**

In the same chapter, there is another anecdote about an artist who paints a portrait of a child. The portrait is badly painted, so his uncle on whose request the artist has painted is furious and throws him out. The artist looks at the painting again and sells it to the editor as a cartoon child character.

Reading this made me focus on this January topic of Satyug - **Jeevan Mulya- Life Values**. A very serious and at the same time intriguing topic! We have been forever advised that we should have the Life values – honesty, truthfulness, righteousness, humility instilled in ourselves. These life values are what make our life successful and meaningful. This is absolutely right. But at times, in certain circumstances there is a conflict between our life values and our conscience and if we adopt our life values in such a situation, then justice cannot be done to the person concerned.In the Uddhava Gita, Lord Krishna says to Uddhava to uphold Dharma. He says- I have compromised on many values. I have to bear the consequences of my actions,but truth has to be established. I will enumerate this with an example of a little girl. I met a lady of my building who shared very happily that recently her little daughter had started asking for milk three times day. It is a very happy moment for a mother when her child demands and drinks milk and that too three times a day. When I shared with the mother that her daughter was in fact not drinking the milk as I had spotted herfeeding the stray cat milk three times a day, the mother happily responded,"Wow! My daughter has learnt the attribute ofservice, but she could have told me the truth that she wanted to feed the cat." My reply was- maybe you would have restrained her from doing so. In this anecdote the child had lied to her mother which was a compromise on life values but this lie help feed a hungry cat which is humanity.

Rajdidi and Narayan Shastra emphasizes that the values you follow in life should

1) May you feel Good from inside
2) Bring a smile on the face of the other person
3) Be for the larger good of the society.

So whatever values you follow first check if the above conditions are met. Each of us are Unique. We need to remember this. The suit which looks good on one would make the other look like a buffoon.

So, let us all work out on our Individual life values ensuring that we feel good from inside, make the other person smile and it is good for the society at large and Lay the foundation to lead a success life.

||नारायण नारायण||

॥ 卐 ॥

Under The Guidance of Rajdidi

Under the aegis of Narayan Reiki satsangParivar, through the medium of prayers Rajdidi has inculcated in us the life value of giving unconditional love to all and this has ensured a seven-star life not only to others but also for self. Presenting some such experiences:-

Shivangi (Bangalore): - I am the center head of NRSP Bangalore. In the adhik month period we did the sadhana as guided by Rajdidi and NRSP in which about 25 people regularly participated. We experienced very good results of this sadhana. The relationship between two brothers was strained for the last twelve years. The wife of one of the two brothers was regularly attending the group prayers. After a few days, a miraculous thing happened. The younger brother went to his elder brother's house and sorted out the issues between them and they reconnected.

California: - I am a college professor. One of my lectures was to be evaluated by the Dean of my college and my colleague on which my promotion was based. In the group prayers, I was constantly doing prayers and everyone else was also sending me Blessings. Everyone liked my lecture and I got promoted in college. Thank you Raj Didi. California Prayer Team Thank You.

Premlata Agarwal (Kolkata): - Recently, there was a storm in Kolkata. Our son-in-law's warehouse was at a place where it was very likely to be affected by the storm. We were constantly praying for the safety of his goods with Narayan Kavach. When the son-in-law went there after the end of the storm, the entire warehouse and goods were safe. My daughter has developed unwavering faith in Narayana Reiki since that day and now she also prays to Narayan continuously. Thank you, Narayan. Thanks to Raj Didi. Not only this, I pray for the healing of my pancreas in the sahaj Reiki technique and the doctor has stopped my medicines on a trial basis. I am confident that my medicines will soon stop.

Before going to bed, keep your left hand on the heart chakra, right hand below it and say the affirmation "Narayan please give me the ability and power to play the role you have assigned to me in the best manner. " Say this affirmation three times. You will see the difference within you in a week's time.

JUDGEMENT

In America, a fifteen-year-old boy was caught stealing. Trying to escape the guard the boy also broke a shelf of the store.

The judge heard the crime and asked the boy, “Did you really steal the packet of bread and cheese”?

The boy looked down and replied, ‘Yes’.

Judge: - ‘Why’?

Boy: - ‘I needed it’.

Judge: - ‘ You should have bought it’.

Boy: - ‘I did not have the money’

Judge: - “You could have taken it from your family.”

Boy: - ‘I only have my mother at home.She too is sick and unemployed. The bread and cheese were also stolen for her’.

Judge: - ‘ Do you work anywhere’?

Boy: - “I Used to wash cars. When I took a day off to take care of my mother, I was fired by my employers.

Judge: - ‘You could have asked someone for help’?

Boy: -Since morning, I have left home and I have asked help fromaround fifty people, and when that did not happen, I took this step at last.’

When the arguments were over, the judgepronounced the verdict, “Stealing and that too the stealing of bread is a shameful crime and we are all responsible for this crime. Every person present in the court is a criminal, including me, so every person present here is fined ten dollars. No one can get out of here without giving ten dollars. ‘

Saying this, the judge took ten dollars out of his pocket and then picked up the pen and started writing, ‘Besides, this I levy a fine of Rs 1000 dollars on the store because they committed a unhuman deed by handing over a hungry child to the police.If the penalty is not deposited within 24 hours, the court will order to seal the store.

By giving the full amount of fine to this boy, the court asks for forgiveness from the boy.

After hearing the verdict, tears started pouring from the eyes of all the people present in the court, the boy too wept softly. The boy was watching the judge again and again, who wentout of the courtroom hiding his tears.

‘Is our society, system and courts ready for such a decision?

Chanakya has said that if a hungry person is caught stealing bread, then the people of that country should be ashamed.

Everyone is Unique

In 1979, I was managing a Wendy's in Port Richey Florida.

Unlike today, staffing was never a real problem, but I was searching for a someone to work for only three hours a day during lunch.

I went through all the applications received and most of them were all looking for full time or at least 20 hours per week. I however found one however, who was only looking for lunch part-time. His name was Nicky. I called Nicky for a interview.

At the accorded time, Nicky walked in. When I saw Nicky I was filled with compassion.Nicky suffered from Downs Syndrome. His physical appearance was a giveaway and his speech only reinforced the obvious. But Nicky wanted to be independent.

I had never interacted on a professional level with a developmentally disabled person. I had no clue what to do, so I went ahead and interviewed him. Nicky was a wonderful young man, Great outlook,focused on his task, excited to be alive. I hired him.

I had to condition my staff to accept Nicky.

Nicky showed up for work right on time.

He was so excited to be working. He checked in and started his training. Nicky couldn't multi-task but worked incessantly like a machine.

Back in those days, there were no computer to work on. Every order was dealt by the cashier.

It required a great deal of concentration on the part of all production staff to get the order right.

While Nicky was training during his first shift, the kitchen chef asked – what fillings does the customer want in the sandwich.

Nicky replied,"No pickle, no onion."

A few minutes later it happened again.

It was then that we discovered Nicky had a hidden and valuable skill.He memorized everything he heard!

Photographic hearing!

WHAT A SKILL SET. He could memorize dates too.

He immediately was accepted by the entire crew.It was then that they discovered another trait-Nicky was a walking perpetual calendar!

With a perpetual calendar as a reference, they would sit for hours asking him what day of the week was December 22, 1847. He never missed.

This uncanny trait mesmerized the crew and he gelled well with them.

His mom would come in at 2 to pick him up.

As I went to get him from the back, his mom said something I will never forget.

"Let him stay there as long as he wants.

He has never been accepted anywhere like he has been here."

I excused myself and dried my eyes, humbled and broken hearted at the lesson I had just learned.

Nicky had a profound impact on that store.

His presence changed a lot of people.

We are all like Nicky.

We each have our shortcomings. We each have our strong points. But we all are valuable in one way or another. We should accept one another as we they are because we are all Unique!

HONESTY

A young boy and girl were enjoying a pleasant afternoon playing together outside in their neighborhood. The boy showed the girl his collection of beautiful, unique marbles. In turn, the girl showed the boy the handful of candy that she had just receivedon her birthday.

The boy proposed to swap–he would give her all his marbles if she handed over all her candy. The girl agreed, as she found the marbles to be beautiful as well.

The boy handed over all his marbles, but kept one, the most exquisite onein his pocket. The girl kept her promise and gave all the candies to the boy.That night, the girl was happy with the exchange and peacefully went to sleep.

The boy, however, couldn't sleep, as he was up wondering if the girl had secretly kept some of her candy, just like he did with the marble.

This story implies that Honesty is such a value which fills you with contentment. There is a saying "Honesty is the best policy ", which makes one's life meaningful.

Narayan divine blessings with Narayan Shakti to Mahesh Kumar Heda on his birthday (9th January) for a seven star life blessed with good health, wealth, peace, prosperity, harmony and happiness.

॥ 卐 ॥

Time – A Life Value

Many years ago all feelings and emotions gathered to spend their vacation on a coastal island. Everyone was having a good time, when there was an announcement warning of a storm and everyone had to leave the island.

This caused a panic, all rushed to their boats and only Love did not hurry. There was so much to do, so Love was the last. When Love realized that it was time to leave, no free boats were left and Love looked around with hope.

As Prosperity was passing by in its classy boat, Love asked: "Please, take me in your boat". But Prosperity replied: "My boat is full of gold and other precious possessions, there is no place for you ".

Then Vanity came by in a lovely boat. Love asked: "Vanity, could you take me in your boat? Please, help me." Vanity said: "No, your feet are muddy, and I don't want my boat get dirty."

A later Sorrow was passing by and Love called for help. But Sorrow answered: "I am so sad, I want to be withmyself".

Then Happiness came by, Love asked for help, but Happiness was too happy, it was hardly concerned about anyone.

Suddenly somebody called out: "Love, I will take you with me". Love did not recognize its savior, just gratefully jumped on to the boat.

When everyone had reached a safe place, Love got off the boat and met Knowledge. Love asked: "Knowledge, do you know who helped me when everyone else turned away?"

Knowledge smiled: "That was Time, because only Time knows Love's true value and what Love is capable of. Only Love can bring peace and happiness."

The message of this story is that when we are prosperous, we underrate Love. When we feel important, we do not appreciate love. And even in happiness and sorrow we overlook love. Only with time we realize the true value of love. When it comes to rate life values, utilization of time comes above all as a person who utilizes his time well achieves everything in life.

Narayan divine blessings with Narayan Shakti to Banwarilal Taparia on his birthday (29th January) for a seven star life blessed with good health, wealth, peace, prosperity, harmony and happiness.

Narayan Geet

Narayan Narayan ka udghosh jahan
Ram Ram madhur dhun vahan
Sabko khushiyan deta aparam paar
Jeevan mai lata sabke jo bahaar
Khole unnati, pragati, safalta ke dwar
Banata Satyug sa sansar
Wo hai wo hai hamaara Narayan Reiki Satsang Parivar
Hamara NRSP Pyara NRSP,Nyara NRSP
Pyar, adar, vishwas badhata
Rishton ko majboot banata,majboot banata,
Paropkar ka bhav jagata
Sachhayee, namrata, seva mei vishwas badhata
Sat ko karta angikar
Banata Satyug sa sansar
Vo hai, vo hai,hamara Narayan Reiki
Satsang Parivar
Satsang Parivar
Muskan ke raj batata
Tan, man, dhan se dena sikhlata
Humko jeen sikhlata
Ghar ghar prem ke deep jalata
Man, kram se jo hum dete hai
Vahi lout kar aata, vahi lout kat aata
Banata Satyug sa sansar
Vo hai, vo hai hamara Narayan Reiki Satsang Parivar
NRSP, NRSP

Finest Pure Veg Hotels & Resorts

The Byke

A HOTEL RETREAT

EAT GREEN • STAY EVERGREEN

Our Hotels : Matheran | Goa | Manali | Jaipur | Thane | Puri | UPCOMING BORIVALI (Mumbai)

THE BYKE HOSPITALITY LIMITED

Shree Shakambhari Corporate Park,Plot No.156-158,

Chakravati Ashok Complex, J.B.Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400099.

T.: +91 22 67079666 | E.: sales@thebyke.com | W.: www.thebyke.com